

राधा की हवेली भजन लिरिक्स



देखो कितनी सुंदर है ये,
भक्तों की सहेली,
राधा की हवेली,
मेरी राधा की हवेली।bd।

तर्ज - झिलमिल सितारों का।

लक्ष्मी और शंकर जी देखो,
संग संग विराजे है,
कलयुग अवतारी बजरंग,
सोटा लेके के आगे है,
भक्तों की बिगड़ी देखो,
यही पे बनेगी,
राधे की हवेली,
मेरी राधे की हवेली।bd।

राजू भगत जी देखो,
बाबा को सजाते है,
भक्तों की बिगड़ी देखो,
बाबा से बनवाते है,
कष्टों से मुक्ति अब तो,
यही पे मिलेगी,
राधे की हवेली,
मेरी राधे की हवेली।bd।

एकादशी द्वादशी,
ज्योत जलाते है,
भक्तों के संग मिल 'गुड्डू',
बाबा को रिझाते है,
सपनों की गुत्थी अब तो,
यही पे सुलझेगी,
राधे की हवेली,
मेरी राधे की हवेली।bd।



भक्तों की सहेली,
राधा की हवेली,
मेरी राधा की हवेली।bdi

लेखक / गायक – शिरीष गुप्ता गुड्डू भईया ।
ग्वालियर – 9827014731
